ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फ़ोल्डर नः- 02
ट्रैक नः- 200M0013
ट्रैक समयावधि :- 52 : 08
कलाकार का नामः- सुभान खां
पिता का नाम :- समे खां
पता :- गाँव- बडनावा चारणान् तेह- पचपदरा
जिला- बाड़मेर
सहायक कलाकार :-
विषयः- कथा (बन में ओम्बो ओवियो)
विशेष विवरण :-
विडियो रिकॉर्डिंग समयः-
दिनांक :- 14-07-2021
स्थान :-

कथा की शुरुआत में एक सेठ का लड़का होता है वह रोज स्कूल जाता है। एक वह स्कूल से लौट रहा होता है तो रास्ते में बारिश और तुफान आ जाता है तो वह भागकर मन्दिर में चला जाता है जहां एक महराज बैठा होता है। महराज उस लड़के की तरफ देखता है कि वह सर्दी से कांप रहा है तो महराज उस लड़के को अपनी गुदड़ी देता है वह ओढ़कर सो जाता है। थोड़ी देर उसी लड़के की काकी उस महराज से मिलने आती है तो वह उस गुदड़ी को हिलते देखती है और महराज से पुछती है कि इस गुदड़ी में कौन है तो महराज कहता है कोई बच्चा है सुबह चला जाएगा तथा वह कहती है कि मैं इसे मारुगी क्योंकि यह हमारे बारे किसी बता ना दे महराज कहता है नहीं यह बिलकुल छोटा बच्चा है। इस प्रकार वह लड़का वह रात वहीं रहता है और वह उनकी बातें सुन लेता है तथा यह जान जाता है कि उसकी काकी महराज के पास आती है। सुबह वह अपने घर जाता है तो देखता है कि उसकी माँ विधवा है फिर भी शृंगार करती है यह सब देखकर उसे औरत जात से नफरत हो जाती है। कुछ वर्षों बाद वो जवान हो जाता है तो उसके लिए रिस्ते आने लगते हैं लेकिन वह विवाह करने से मना कर देता है लेकिन उसके घर वाले कहते हैं कि शादी तुम्हे करनी पड़ेगी तो वह कहता है कि जो मैं दोहा लिखकर देता हूँ अगर यह दोहा जो लड़की जो पुरा करगी उससे मैं शादी कर लूँगा -

वह लिखता है "वन में ओम्बो मोविरो, कुण करे रखवाल" इस तरह दो कामदार यह दोहा लेकर निकल जाते हैं और दूर-दूर के सभी गाँवों की लड़कियों को दिखाते हैं तो कोई भी यह दोहा पूरा नही करती है तथा वह लौटते वक्त एक गरीब सेठ के घर जाते और उसकी लड़की यह दोहा पूर्ण कर देती है - लड़का- वन में ओम्बो मोविर कुण करे रखवाल।

लड़की- का करे कुल आपरो का करे किलतार।। कामदार घर जाते हैं और कहते कि फला लड़की ने यह दोहा पूर्ण किया है तो वह लड़का उससे शादी कर लेता है

लेकिन अपनी पत्नी को ना अपना मुँह दिखता है न उससे बात करता है। कुछ दिनों बाद अपने तीन दोस्तों को लेकर ससुराल जाता है और वहां उसकी ससुराल वाले अच्छी कद्र करते है। रात होती है तो जब उस का पत्नी के पास जाने का समय होता है तथा वह अपनी पत्नी को परखने के लिए अपने एक दोस्त को भेजता है तो वह जा के दरवाजा खटखटाता है तो वह कहती है कि पहले आप वह चीज दो तो वह सोना चाँदी की बात करता है तो वह कहती है यह मुझे नहीं चाहिए तो वह कहता है कि वह क्या चीज है लेकिन वह नहीं बताती है। तो सर्दी की रात में वह ठंड से कांपने लगता है तो वह लड़की कहती है कि जा हमारे पापा की घाटी में चने दल तथा वहा पूरी रात चने दलता है और सुबह अपने दोस्तों के पास जाता है तो वे पूछते है तो वह कहता है कि लड़की बहुत अच्छी है और मैंने पूरी रात उसके साथ ही गुजारी और वह दूसरे दिन दूसरे दोस्त को भेजता तथा उससे भी वह वही सवाल करती है और उससे दाल दलवाती है और तीसरे को मूँग दलवाती है। तथा वह जाकर कहते कि हमने भी पूरी रात उस के साथ बिताई तो वह लड़का सोचता है कि मेरी पत्नी भी अच्छी नहीं है मैं इसे यही छोड़कर चला जाऊंगा लेकिन चौथी रात वह स्वयं जाता है तो उससे भी वह वही सवाल करती है तो वो भी भूल जाता है तो वह कहती कि तीनों को चना, दाल, मूँग दलवाए है तुम क्या दलोगे तथा उसे अपना दोहे वाला पन्ना याद आता है वह दिखाता है तो वह दरवाजा खोल देती है और वह पूरी रात अपनी पत्नी के साथ गुजारता है तथा वह जान जाता है कि मेरी पत्नी अच्छे चरित्र की है और सुबह अपने घर लेकर जाता है।